हिंदी दैनिक

रहस्य संदेश

अंक-65 गुरूवार, 06 मार्च 2025 लखनऊ व एटा से प्रकशित R.N.I. No.: UPHIN/2007/20715 पृष्ठ- 4 मूल्य- 2

सीएसए के कृषि अभियंत्रण महाविद्यालय में हुआ वेबीनार का आयोजन

अनवर अशरफ

चंद्रशेखर आजाद कृषि विश्वविद्यालय कानपुर के अधीन संचालित कृषि अभियंत्रण संकाय के कंप्यूटर साइंस इंजीनियरिंग एवं प्रोसेसिंग एंड फूड इंजीनियरिंग विभाग द्वारा दिनांक 28 फरवरी 2025 एवं 5 मार्च 2025 को दो प्रमुख विषयों जिसमें तकनीकी और गैर तकनीकी भर्ती में रोजगार के अवसर एवं स्वस्थ भारत के लिए टिकाऊ और सुरक्षित खाद्य प्रसंस्करण तकनीक में प्रगति विषयों पर एक दिवसीय वेबीनार का सफल आयोजन किया गया। कुलपति डॉ आनंद कुमार सिंह के निर्देशन में इटावा कैंपस पर निरंतर एकेडमिक एक्सीलेंस को बढ़ाने का कार्य किया जा रहा है। उपरोक्त वेबिनर में परवनी कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति डॉक्टर इंद्रमणि मिश्रा ने अवगत कराया की मूल्य संवर्धन एवं प्रसंस्करण तकनीक अभी भी किसानों की पहुंच से दूर है जबकि कृषि के क्षेत्र में यंत्रीकरण को किसान ग्रहण कर रहे हैं इन्होंने देश के किसानों को भगवान का रूप मानते हुए कृषि वैज्ञानिकों को किसानों के उत्थान के लिए कार्य करने को प्रेरित किया । डॉक्टर एन के शर्मा ने अपने स्वागत संबोधन में अवगत कराया कि कुल उत्पादन का लगभग 40ब उत्पाद बर्बाद हो रहा है अत: संस्करण के क्षेत्र में कार्य करने वाले वैज्ञानिकों को दोहरी हानियों को रोकने के प्रयास किए जाने चाहिए जो कि बहुत आवश्यक है इस वेबीनार के आयोजन का प्रमुख उद्देश्य कैंपस में अध्यनरत छात्राओं के साथ-साथ संकाय सदस्यों को अनुभवी विशेषज्ञों के माध्यम से कृषि तकनीक के क्षेत्र में हो रहे नवाचार से अवगत कराना है। डॉक्टर शर्मा द्वारा सभी को शिक्षा के क्षेत्र निरंतर इस प्रकार के आयोजन करने हेतु प्रोत्साहित किया जा रहे हैं। डॉ. पी डी शर्मा, प्रोफेसर पूसा नई दिल्ली, डॉ अंजलि सुधाकर सहायक प्राध्यापक साबौर, डॉ आनंद किशोर, सहायक

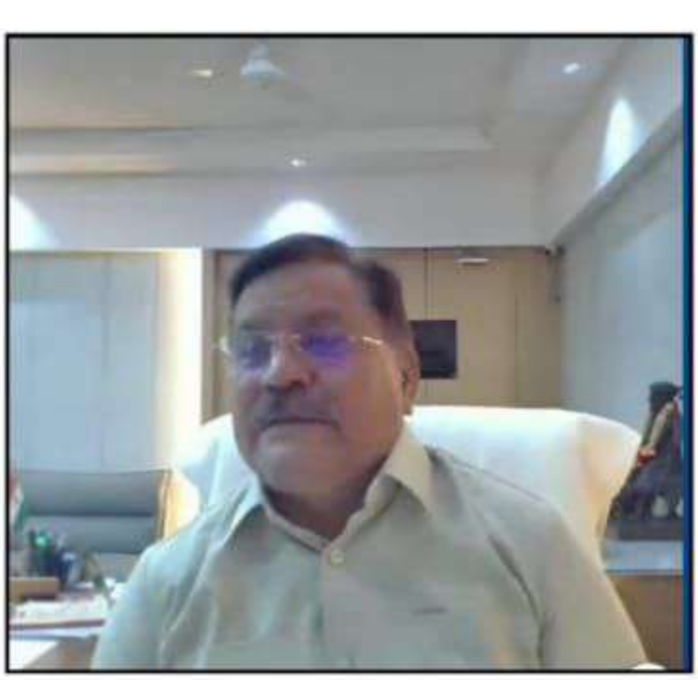

प्राध्यापक सोनीपत, इंजीनियर जोगेंद्र सोरन, विषय विशेषज्ञ मधुबनी डॉक्टर सीतेश कुमार, सहायक प्राध्यापक कृषि विद्यालय रांची, डॉक्टर खुशबू कुमारी, वैज्ञानिक एनडीआरआई करनाल द्वारा अपने व्याख्यान प्रस्तुत किए गए। डॉक्टर शर्मा ने इन वेबीनार के आयोजन हेतु डॉक्टर खुशबू गुप्ता, प्रोफेसर अजीत सिंह, इंजीनियरिंग कसफ खान खान डॉक्टर के के पटेल डॉक्टर टी के महेश्वरी सहित सभी को धन्यवाद ज्ञापित किया इसी प्रकार पूर्व के वेबीनार का प्रमुख उद्देश्य छात्रों को हायरिंग ट्रेंड्स, इंजीनियरिंग क्षेत्र में नौकरी की भूमिकाओं, विविधताओ और समावेश भर्ती के बारे में जागरूक करते हुए कम समय में और बिना किसी लागत के प्रभावी रूप से ऑनलाइन मोड में व्यवहारिक आधार पर प्रशिक्षण एवं इंटर्नशिप कार्यक्रम के तहत जानकारी उपलब्ध कराई गई। इस वेबीनार के आयोजन पर इंजीनियरिंग नीरजा शर्मा और इंजीनियरिंग मलीहा खानम को अधिष्ठाता द्वारा धन्यवाद ज्ञापित किया गया।

नहर पुल के समीप पानी में विसर्जन कर तेज गती से लौट रहा

पुलिस ने पोस्ट मार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया।

ले सकेंगी। कार्यक्रम संयोजिका नमिता तिवारी, श्वेता चंदेल एवं कल्पना रघुवंशी है।

गये। मुख्य अतिथि अपना दल एस राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य डा हरीशंकर पटेल ने कहा कि राष्ट्र का

वर्मा ने हर सम्भव सहयोग देते रहने का आश्वासन दिया। विशेष अतिथि रामकृष्ण दुबे ने कहा कि

रखे विचार

कृषि इंजीनियरिंग कालेज में एक दिवसीय कार्यक्रम, विशेषज्ञों ने लिया भाग

किसानों को प्रभु का रूप मान उनके उत्थान का कार्य करें

कार्यालय संवाददाता, इटावा

अमृत विचार। चंद्रशेखर आजाद कृषि विश्वविद्यालय कानपुर के अधीन संचालित कृषि अभियंत्रण संकाय के कंप्यूटर साइंस इंजीनियरिंग एवं प्रोसेसिंग एंड फूड इंजीनियरिंग विभाग के तत्वावधान में सुरक्षित खाद्य प्रसंस्करण तकनीक में प्रगति विषयों पर एक दिवसीय वेबीनार का आयोजन किया गया। कुलपति डॉ. आनंद कुमार सिंह के निर्देशन में इटावा कैंपस पर निरंतर एकेडमिक एक्सीलेंस को बढ़ाने का कार्य किया जा रहा है। वेबीनार में परवनी कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. इंद्रमणि मिश्रा ने अवगत कराया कि मूल्य संवर्धन एवं प्रसंस्करण तकनीक अभी भी किसानों की पहुंच से दूर है। कृषि के क्षेत्र में यंत्रीकरण को किसान ग्रहण कर रहे हैं। इन्होंने देश के किसानों को प्रभु का रूप मानते हुए कृषि वैज्ञानिकों को किसानों के उत्थान के लिए कार्य करने को प्रेरित किया।

सुरक्षित खाद्य प्रसंस्करण पर वेबीनार में भाग लेते कृषि वैज्ञानिक। अमृत विचार

● सुरक्षित खाद्य प्रसंस्करण तकनीक पर वेबीनार

अधिष्ठाता कृषि इंजीनियरिंग कालेज डॉ. एनके शर्मा ने अवगत कराया कि कुल उत्पादन का लगभग 40 फीसदी उत्पाद बर्बाद हो रहा है। अतः संस्करण के क्षेत्र में कार्य करने वाले वैज्ञानिकों को दोहरी हानियों को रोकने के प्रयास करने चाहिए। वेबीनार के आयोजन का प्रमुख उद्देश्य कैंपस में अध्यनरत विद्यार्थियों के साथ-साथ संकाय सदस्यों को अनुभवी विशेषज्ञों के माध्यम से कृषि तकनीक के क्षेत्र में हो रहे नवाचार से अवगत कराना है। डॉ. पीडी शर्मा प्रोफेसर पूसा समस्तीपुर, डॉ. अंजलि सुधाकर सहायक प्राध्यापक साबौर, डॉ. आनंद किशोर सहायक प्राध्यापक सोनीपत, इंजीनियर जोगेंद्र सोरन विषय विशेषज्ञ मधुबनी, डॉ. सीतेश कुमार सहायक प्राध्यापक कृषि विद्यालय रांची, डॉ. खुशबू कुमारी वैज्ञानिक एनडीआरआई करनाल ने अपने व्याख्यान प्रस्तुत किए। डॉ. शर्मा ने इन वेबीनार के आयोजन के लिए डॉ. खुशबू गुप्ता, प्रोफेसर अजीत सिंह, इंजीनियरिंग कसफ खान, डॉ. केके पटेल, डॉ. टीके महेश्वरी सहित सभी को धन्यवाद ज्ञापित किया। इस वेबीनार के आयोजन पर इंजीनियरिंग कॉलेज के नीरजा शर्मा और मलीहा खानम ने सहयोग दिया।

Wednesday Times
National News paper
7:25 pm

Value addition and processing technology is still beyond the reach of farmers: Vice Chancellor

MASOOD TAIMURI
(WednesdayTimes)

The Department of Computer Science Engineering and Processing and Food Engineering of the Faculty of Agricultural Engineering, run under Etawah Chandrashekhar Azad Agricultural University, Kanpur, successfully organized a one-day seminar on 28 February and 5 March on two major topics, including employment opportunities in technical and non-technical recruitment and progress in sustainable and safe food processing technology for a healthy India. Under the guidance of Vice Chancellor Dr. Anand Kumar Singh, work is being done to continuously enhance academic excellence at the Etawah campus. In the above seminar, Vice Chancellor of Parwani Agricultural University, Dr. Indramani Mishra said that value addition and processing technology are still beyond the reach of farmers, while farmers are adopting mechanization in the field of agriculture. He considered the farmers of the country as God and inspired agricultural scientists to work for the

upliftment of farmers. Dr. NK Sharma said that about 40% of the total production is getting wasted, so scientists working in the field of processing should make efforts to prevent double losses, which is very necessary. The main objective of organizing this seminar is to make the students studying in the campus as well as the faculty members aware of the innovations taking place in the field of agricultural technology through experienced experts. Dr. Sharma is encouraging everyone to continuously organize such events in the field of education. Dr. PD Sharma, Professor Pusa New Delhi, Dr. Anjali Sudhakar Assistant Professor Sabour, Dr. Anand Kishore, Assistant Professor Sonipat, Engineer Jogendra Soran, Subject Expert Madhubani Dr. Sitesh Kumar, Assistant Professor Agricultural School Ranchi, Dr. Khushboo Kumari, Scientist NDRI Karnal presented their lectures. Dr Sharma thanked Dr Khushboo Gupta, Professor Ajit Singh, Engineering Kasf Khan, Dr KK Patel, Dr TK Maheshwari and all others for organizing these webinars. Similarly, the main objective of the previous seminar was to make the students aware about hiring trends, job roles in engineering field, diversity and inclusion recruitment and provide information under practical based training and internship program in online mode in a short time and without any cost effectively. Engineering Neerja Sharma and Engineering Maliha Khanam were thanked by the Dean for organizing this seminar.

7:25 pm

दैनिक
उद्योग नगरी टाइम्स
E-mail : dainikudyognagritimes@gmail.com
सत्य ही कर्तव्य

अंक :45 कानपुर, गुरुवार 6 मार्च 2025 RNI UPHIN/2010/47220 पृष्ठ : 4

सीएसए के कृषि अभियंत्रण महाविद्यालय में हुआ वेबीनार का आयोजन

अनवर अशरफ

कानपुर यू एन टी । चंद्रशेखर आजाद कृषि विश्वविद्यालय कानपुर के अधीन संचालित कृषि अभियंत्रण संकाय के कंप्यूटर साइंस इंजीनियरिंग एवं प्रोसेसिंग एंड फूड इंजीनियरिंग विभाग द्वारा दिनांक 28 फरवरी 2025 एवं 5 मार्च 2025 को दो प्रमुख विषयों जिसमें तकनीकी और गैर तकनीकी भर्ती में रोजगार के अवसर एवं स्वस्थ भारत के लिए टिकाऊ और सुरक्षित खाद्य प्रसंस्करण तकनीक में प्रगति विषयों पर एक दिवसीय वेबीनार का सफल आयोजन किया गया। कुलपति डॉ आनंद कुमार सिंह के निर्देशन में इटावा कैंपस पर निरंतर एकेडमिक एक्सीलेंस को बढ़ाने का कार्य किया जा रहा है। उपरोक्त वेबिनर में परवनी कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति डॉक्टर इंद्रमणि मिश्रा ने अवगत कराया की मूल्य संवर्धन एवं प्रसंस्करण तकनीक अभी भी किसानों की पहुंच से दूर है जबकि कृषि के क्षेत्र में यंत्रीकरण को किसान ग्रहण कर रहे हैं इन्होंने देश के किसानों को भगवान का रूप मानते हुए कृषि वैज्ञानिकों को किसानों के उत्थान के लिए कार्य करने को प्रेरित किया । डॉक्टर एन के शर्मा ने अपने स्वागत संबोधन में अवगत कराया कि कुल उत्पादन का लगभग 40ब्र उत्पाद बर्बाद हो रहा है अत: संस्करण के क्षेत्र में कार्य करने वाले वैज्ञानिकों को दोहरी हानियों को रोकने के प्रयास किए जाने चाहिए जो कि बहुत आवश्यक है इस वेबीनार के आयोजन का प्रमुख उद्देश्य कैंपस में अध्यनरत छात्राओं के साथ-साथ संकाय सदस्यों को अनुभवी विशेषज्ञों के माध्यम से कृषि तकनीक के क्षेत्र में हो रहे नवाचार से अवगत कराना है। डॉक्टर शर्मा द्वारा सभी को शिक्षा के क्षेत्र निरंतर इस प्रकार के आयोजन करने हेतु प्रोत्साहित किया जा रहे हैं। डॉ. पी डी शर्मा, प्रोफेसर पूसा नई दिल्ली, डॉ अंजलि सुधाकर सहायक प्राध्यापक साबौर, डॉ आनंद किशोर, सहायक प्राध्यापक सोनीपत, इंजीनियर जोगेंद्र सोरन, विषय विशेषज्ञ मधुबनी डॉक्टर सीतेश कुमार, सहायक प्राध्यापक कृषि विद्यालय रांची, डॉक्टर खुशबू कुमारी, वैज्ञानिक एनडीआर आई करनाल द्वारा अपने व्याख्यान प्रस्तुत किए गए। डॉक्टर शर्मा ने इन वेबीनार के आयोजन हेतु डॉक्टर खुशबू गुप्ता,

प्रोफेसर अजीत सिंह, इंजीनियरिंग कसफ खान खान डॉक्टर के के पटेल डॉक्टर टी के महेश्वरी सहित सभी को धन्यवाद ज्ञापित किया इसी प्रकार पूर्व के वेबीनार का प्रमुख उद्देश्य छात्रों को हायरिंग ट्रेंड्स, इंजीनियरिंग क्षेत्र में नौकरी की भूमिकाओं, विविधताओ और समावेश भर्ती के बारे में जागरूक करते हुए कम समय में और बिना किसी लागत के प्रभावी रूप से ऑनलाइन मोड में व्यवहारिक आधार पर प्रशिक्षण एवं इंटर्नशिप कार्यक्रम के तहत जानकारी उपलब्ध कराई गई। इस वेबीनार के आयोजन पर इंजीनियरिंग नीरजा शर्मा और इंजीनियरिंग मलीहा खानम को अधिष्ठाता द्वारा धन्यवाद ज्ञापित किया गया।

अमर भारती

एक उम्मीद

देश, 06 संस्करण

पृः 12, मूल्यः 03 रु. RNI No. UPHIN/2011/46455 www.amarbharti.com गुरुवार, 06 मार्च 2025 शक सम्वत् 1946, फाल्गुन शुक्ल पक्ष

कृषि अभियंत्रण महाविद्यालय में हुआ वेबीनार

अमर भारती ब्यूरो

कानपुर। सीएसए के अधीन संचालित कृषि अभियंत्रण संकाय के कंप्यूटर साइंस इंजीनियरिंग एवं प्रोसेसिंग एंड फूड इंजीनियरिंग विभाग द्वारा 28 फरवरी एवं 5 मार्च 2025 को दो प्रमुख विषयों जिसमें तकनीकी और गैर तकनीकी भर्ती में रोजगार के अवसर एवं स्वस्थ भारत के लिए टिकाऊ और सुरक्षित खाद्य प्रसंस्करण तकनीक में प्रगति विषयों पर एक दिवसीय वेबीनार का सफल आयोजन किया गया। कुलपति डॉ आनंद कुमार सिंह के निर्देशन में इटावा कैंपस पर निरंतर एकेडमिक एक्सीलेंस को बढ़ाने का कार्य किया जा रहा है। उपरोक्त वेबिनर में परवनी कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति डॉक्टर इंद्रमणि मिश्रा ने अवगत कराया की मूल्य संवर्धन एवं प्रसंस्करण तकनीक अभी भी किसानों की पहुंच से दूर है जबकि कृषि के क्षेत्र में यंत्रीकरण को

किसान ग्रहण कर रहे हैं इन्होंने देश के किसानों को भगवान का रूप मानते हुए कृषि वैज्ञानिकों को किसानों के उत्थान के लिए कार्य करने को प्रेरित किया।

डॉक्टर एन के शर्मा ने अपने स्वागत संबोधन में अवगत कराया कि कुल उत्पादन का लगभग 40% उत्पाद बर्बाद हो रहा है अतः संस्करण के क्षेत्र में कार्य करने वाले वैज्ञानिकों को दोहरी हानियों को रोकने के प्रयास किए जाने चाहिए जो कि बहुत आवश्यक है इस वेबीनार के आयोजन का प्रमुख उद्देश्य कैंपस में अध्यनरत छात्राओं के साथ-साथ संकाय सदस्यों को अनुभवी विशेषज्ञों के माध्यम से कृषि तकनीक के क्षेत्र में हो रहे नवाचार से अवगत कराना है। डॉक्टर शर्मा द्वारा सभी को शिक्षा के क्षेत्र निरंतर इस प्रकार के आयोजन करने हेतु प्रोत्साहित किया जा रहे हैं। डॉ. पी डी शर्मा, प्रोफेसर पूसा नई दिल्ली, डॉ अंजलि सुधाकर सहायक प्राध्यापक साबौर, डॉ आनंद किशोर, सहायक प्राध्यापक सोनीपत, इंजीनियर जोगेंद्र सोरन, विषय विशेषज्ञ मधुबनी डॉक्टर सीतेश कुमार, सहायक प्राध्यापक कृषि विद्यालय रांची, डॉक्टर खुशबू कुमारी, वैज्ञानिक एनडीआरआई करनाल द्वारा अपने व्याख्यान प्रस्तुत किए गए। डॉक्टर शर्मा ने इन वेबीनार के आयोजन हेतु डॉक्टर खुशबू गुप्ता, प्रोफेसर अजीत सिंह, इंजीनियरिंग कसफ खान खान डॉक्टर के के पटेल डॉक्टर टी के महेश्वरी सहित सभी को धन्यवाद ज्ञापित किया।

कृषि अभियंत्रण महाविद्यालय में हुआ वेबीनार

अमर भारती ब्यूरो

कानपुर। सीएसए के अधीन संचालित कृषि अभियंत्रण संकाय के कंप्यूटर साइंस इंजीनियरिंग एवं प्रोसेसिंग एंड फूड इंजीनियरिंग विभाग द्वारा 28 फरवरी एवं 5 मार्च 2025 को दो प्रमुख विषयों जिसमें तकनीकी और गैर तकनीकी भर्ती में रोजगार के अवसर एवं स्वस्थ भारत के लिए टिकाऊ और सुरक्षित खाद्य प्रसंस्करण तकनीक में प्रगति विषयों पर एक दिवसीय वेबीनार का सफल आयोजन किया गया। कुलपति डॉ आनंद कुमार सिंह के निर्देशन में इटावा कैंपस पर निरंतर एकेडमिक एक्सीलेंस को बढ़ाने का कार्य किया जा रहा है। उपरोक्त वेबिनर में परवनी कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति डॉक्टर इंद्रमणि मिश्रा ने अवगत कराया की मूल्य संवर्धन एवं प्रसंस्करण तकनीक अभी भी किसानों की पहुंच से दूर है जबकि कृषि के क्षेत्र में यंत्रीकरण को

किसान ग्रहण कर रहे हैं इन्होंने देश के किसानों को भगवान का रूप मानते हुए कृषि वैज्ञानिकों को किसानों के उत्थान के लिए कार्य करने को प्रेरित किया।

डॉक्टर एन के शर्मा ने अपने स्वागत संबोधन में अवगत कराया कि कुल उत्पादन का लगभग 40% उत्पाद बर्बाद हो रहा है अतः संस्करण के क्षेत्र में कार्य करने वाले वैज्ञानिकों को दोहरी हानियों को रोकने के प्रयास किए जाने चाहिए जो कि बहुत आवश्यक है इस वेबीनार के आयोजन का प्रमुख उद्देश्य कैंपस में अध्यनरत छात्राओं के साथ-साथ संकाय सदस्यों को अनुभवी विशेषज्ञों के माध्यम से कृषि तकनीक के क्षेत्र में हो रहे नवाचार से अवगत कराना है। डॉक्टर शर्मा द्वारा सभी को शिक्षा के क्षेत्र निरंतर इस प्रकार के आयोजन करने हेतु प्रोत्साहित किया जा रहे हैं। डॉ. पी डी शर्मा, प्रोफेसर पूसा नई दिल्ली, डॉ अंजलि सुधाकर सहायक प्राध्यापक साबौर, डॉ आनंद किशोर, सहायक प्राध्यापक सोनीपत, इंजीनियर जोगेंद्र सोरन, विषय विशेषज्ञ मधुबनी डॉक्टर सीतेश कुमार, सहायक प्राध्यापक कृषि विद्यालय रांची, डॉक्टर खुशबू कुमारी, वैज्ञानिक एनडीआरआई करनाल द्वारा अपने व्याख्यान प्रस्तुत किए गए। डॉक्टर शर्मा ने इन वेबीनार के आयोजन हेतु डॉक्टर खुशबू गुप्ता, प्रोफेसर अजीत सिंह, इंजीनियरिंग कसफ खान खान डॉक्टर के के पटेल डॉक्टर टी के महेश्वरी सहित सभी को धन्यवाद ज्ञापित किया।